

## UNSC आतंकवाद नरोधक समिति की बैठक

### प्रलिस के ललल:

संयुक्त राष्ट्र, FATF, मुंबई हमला, कुरपिटो करेसी, UNODC ।

### मेन्स के ललल:

आतंकवाद जैसे चुनौतलतलतल का मुकाबला करने के ललल पहल ।

## चरचा में कतलतल?

हाल ही में भारत ने वर्तमान आतंकवाद में कुरपिटो- करेसी और डरोन के उपयोग के माध्यम से आतंक-वतलतपोषण पर चरचा करने के लललसंयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परषलद की आतंकवाद नरोधक समतलतल(CTC) की एक वशलष बैठक की मेज़बानी की ।

- वर्ष 2001 में यूएनएससी-सीटीसी की स्थापना के बाद से भारत में इस तरह की यह पहली बैठक होगी । संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतनलधलतल (रुचरल कंबोज) वर्ष 2022 के लललल सीटीसी की अधलकष के रूप में कार्यरत हैं ।
- थीम: आतंकवादी उददेशतलतल के ललल नई और उभरती प्रौदुयोगकलतलतल के उपयोग का मुकाबला करना ।

## UNSC-CTC:

- यह सुरक्षा परषलद के प्रस्ताव 1373 द्वारा स्थापतल कतलतल गया था जसलसे अमेरकल में 9/11 के आतंकी हमलल के मददेनज़र 28 सतलतलबर, 2001 को सर्वसमतलतल से अपनाया गया था ।
- समतलतल में सुरक्षा परषलद के सभी 15 सदस्य शामिल हैं ।
  - पाँच स्थायी सदस्य: चीन, फ़रॉंस, रूसी संघ, यूनाइटेड कलगडम और संयुक्त राज्य अमेरकल तथा दस गैर-स्थायी सदस्य महासभा द्वारा दो साल के कार्यकाल के लललल चुने जाते हैं ।
- इस समतलतल को संकल्प 1373 के कार्यान्वयन की नगरलनी का काम सॉपा गया था, जसलमें देशल से घरेलू और दुनतलतल भर में आतंकवादी गतवलधलतलतल का मुकाबला करने के लललल अपनी कानूनी एवं संस्थागत कषमता बढाने के उददेशतल से कई उपातलतल को लागू करने का अनुरोध कतलतल गया था ।
- इसमें आतंकवाद के वतलतपोषण का अपराधीकरण करना, आतंकवाद के कृततलतल में शामिल वतलततलतलतल से संबंघतल कसलसी भी धन को जमा करना, आतंकवादी समूहल के लललल सभी प्रकार की वतलततलतल सहायता से इनकार करना, आतंकवादतलतल के लललल सुरकषतल आश्रय, जीवकल या समर्थन के प्रावधान को रोकना तथा आतंकवादी कृततलतल का अभ्यास या योजना बनाने वाले कसलसी भी समूह पर अन्य सरकारल के साथ जानकलरी साज़्जा करने से रोकना जैसे आवशलक कदम शामिल हैं ।

## बैठक की मुख्य बातें

- भारत ने CTC पर वचलर के लललल पाँच बढल सूचीबदध कतलतल:
  - आतंक-वतलतपोषण का मुकाबला करने के लललल प्रभावी और नरलतर प्रर्यास ।
  - संयुक्त राष्ट्र के सामान्य प्रर्यासल को वतलततलतल काररवाई कार्य बल (FATF) जैसे अन्य मंचल के साथ समन्वतलतल करने की आवशलकता है ।
  - यह सुनशलचतल करना कल सुरक्षा परषलद की प्रतलबलध वतलतलतल राजनीतकल कारणल से अप्रभावी न हो ।
  - अंतरराषट्रीय सहयोग और आतंकवादतलतल तथा उनके प्रर्याोजकल के खलललफ ठोस काररवाई, जसलमें आतंकवादी सुरकषतलतल पनाहगाहल को खतम करना अनवलर्यताएँ शामिल हैं ।
  - इन संबंघल को पहचाने और हथतलरल एवं अवैध मादक पदार्थल की तस्करी जैसे एक अंतरराषट्रीय संगठतल अपराध के साथ आतंकवाद की सांठगाँठ को तोडने के लललल बहुपक्षीय प्रर्यासल को मज़बूत करना ।

## भारत के सामने उभरती चुनौतलतलतल:

- आतंक फैलाने के लिये उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग दुनिया भर में बढ़ती चिंता का विषय है।
- जबकि 26/11 हमले के आतंकवादियों में से एक के ऊपर भारत में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मुकदमा चलाया गया तथा दोषी ठहराया गया 26/11 हमलों के प्रमुख षड्यंत्रकारियों और योजनाकारों को अभी भी दंडित नहीं किया गया है।
- चीन द्वारा कई मौकों पर पाकस्तान स्थिति आतंकवादियों के खिलाफ UNSC प्रतर्बिधों पर रोक लगाने से सुरक्षा परिषद कुछ मामलों में कार्रवाई करने के लिये कमजोर हो जाती है।
- इन वर्षों में आतंकवादी समूह अपने वित्तपोषण पोर्टफोलियो में विविधता लाए हैं। उन्होंने धन जुटाने और वित्त के लिये आभासी मुद्राओं जैसी नई और उभरती प्रौद्योगिकियों की गुमनामी का फायदा उठाना शुरू कर दिया है।
- मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग का मुकाबला करने में ढीली व्यवस्था के लिये पाकस्तान को जून 2018 में एफएटीएफ की तथाकथित ग्रे सूची में डाल दिया गया था। FATF ने अक्टूबर 2022 में प्लेनरी में चार साल से अधिक समय के बाद पाकस्तान को हटा दिया था।
  - पछिले साल से पाकस्तान को समूह से बाहर करने पर चर्चा कश्मीर में बढ़ते आतंकी हमलों की प्रवृत्ति के साथ हुई।

## आतंकवाद

- परिचय:
  - कोई भी व्यक्ति जो अपराध करता है, आबादी को डराता है या किसी सरकार या अंतरराष्ट्रीय संगठन को किसी भी कार्य को करने या उससे दूर रहने के लिये मजबूर करता है, जिसके कारण है:
    - किसी भी व्यक्ति की मृत्यु या गंभीर शारीरिक चोट
    - सार्वजनिक या नज्दी संपत्ति को गंभीर नुकसान, जिसमें सार्वजनिक उपयोग का स्थान, एक राज्य या सरकारी सुविधा, एक सार्वजनिक परिवहन प्रणाली, एक बुनियादी ढांचा सुविधा या पर्यावरण शामिल है;
    - संपत्ति, स्थानों, सुविधाओं या प्रणालियों को नुकसान जिसके परिणामस्वरूप बड़ा आर्थिक नुकसान होने की संभावना हो।
- आतंकवाद से निपटने के लिये भारत की पहल:
  - आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिये कई कदम उठाए गए।
  - तटीय सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता दी गई और यह नौसेना/तट रक्षक/समुद्री पुलिस के पास है।
  - आतंकवादी अपराधों से निपटने के लिये राष्ट्रीय जांच एजेंसी की स्थापना की गई थी जो जनवरी 2009 से काम कर रही है।
  - राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (NATGRID) का गठन सुरक्षा संबंधी सूचनाओं का एक उपयुक्त डेटाबेस बनाने के लिये किया गया है।
  - आतंकी हमलों का तेजी से जवाब सुनिश्चित करने के लिये राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के लिये चार नए ऑपरेशनल हब बनाए गए हैं।
  - इंटेल्जिंस ब्यूरो के तहत काम करने वाले मल्टी एजेंसी सेंटर को और मजबूत किया गया एवं इसकी गतिविधियों का विस्तार किया गया।
  - नौसेना ने भारत के विस्तारित समुद्र तट पर नगिरानी रखने के लिये संयुक्त अभियान केंद्र का गठन किया।
- वैश्विक प्रयास:
  - आतंकवाद वरिधी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNOCT) आतंकवाद और हसिक उग्रवाद को रोकने एवं उसका मुकाबला करने के लिये संयुक्त राष्ट्र के दृष्टिकोण का नेतृत्व तथा समन्वय करता है।
    - UNOCT के तहत UN आतंकवाद नरिधक केंद्र(UNCCT), आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है और वैश्विक आतंकवाद वरिधी रणनीति को लागू करने में सदस्य राज्यों का समर्थन करता है।
  - डरगस एंड कराइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC) की आतंकवाद रोकथाम शाखा (TPB) अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
    - यह अनुरोध पर सदस्य राज्यों की सहायता के लिये अनुसमर्थन, विधायी समावेश और आतंकवाद के खिलाफ सार्वभौमिक कानूनी ढांचे के कार्यान्वयन के साथ काम करता है।
  - फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) जो एक वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण नगिरानी संस्था है, अंतरराष्ट्रीय मानकों को निर्धारित करती है जिसका उद्देश्य इन अवैध गतिविधियों एवं समाज को होने वाले नुकसान को रोकना है।

## आगे की राह

- आतंकवाद का मुकाबला करने का एक अनविरय पहलू आतंकवाद के वित्तपोषण को प्रभावी ढंग से रोकना है।
- आतंकवादी समूहों को सूचीबद्ध करने के लिये उद्देश्य और साक्ष्य-आधारित प्रस्तावों, विशेष रूप से उन लोगों को जो वित्तीय संसाधनों तक उनकी पहुँच पर अंकुश लगाते हैं
- अंतरराष्ट्रीय समुदाय को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर आतंकवाद की चुनौती को हराना चाहिये।
- सीमा की रक्षा के पारंपरिक तरीकों को बढ़ाने और पूरक करने के लिये तकनीकी समाधान आवश्यक हैं। वे न केवल सीमा की रक्षा करने वाले बलों की नगिरानी और पहचान क्षमताओं को बढ़ाते हैं, बल्कि घुसपैठ और सीमा पार अपराधों के खिलाफ सीमा की रक्षा करने वाले कर्मियों के प्रभाव में भी सुधार करते हैं।
- भारत को सीमा पार आतंकवाद से लड़ने के लिये सेना की विशेषज्ञता की दृष्टि में आगे बढ़ना चाहिये।
  - सेना को प्रेसिजन इंजेमैंट कैपेबिलिटी जैसे तंत्र के माध्यम से LOC और LLC के पार आतंकी शक्ति पर हमला करने के वैकल्पिक तरीकों पर भी विचार करना चाहिये।
- ठीक से प्रशिक्षित जनशक्ति और कफायती व परीक्षण की गई प्रौद्योगिकी के विकल्प मशिरण से बेहतर परिणाम मिलने की संभावना है।
- आतंकवाद के खिलाफ युद्ध एक कम तीव्रता वाला संघर्ष या स्थानीय युद्ध है और इसे समाज के पूरण व नरिबाध समर्थन के बिना नहीं छेड़ा जा सकता है, यदा आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिये समाज का मनोबल और संकल्प लड़खड़ाता है तो इसे आसानी से खो दिया जा सकता है।

**UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न:**

**प्रश्न:** आतंकवाद का संकट राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है। इस बढ़ते खतरे को रोकने के लिये आप क्या उपाय सुझाते हैं? आतंकवादी फंडिंग के प्रमुख स्रोत क्या हैं? (मुख्य परीक्षा, 2017)

**स्रोत:** द हिंदू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/unsc-counter-terrorism-committee-meeting>

